1- कार्यक्रम का नाम- बुनियादी अवस्था हेतु सामग्री विकास (कहानी पुस्तिका] कविता काड्र्स] बातचीत चार्ट] आरोही माड्यूल पर गतिविधि पुस्तिका] अधिगम शिक्षण सामग्री) कार्यशाला।

2- कार्यक्रम के उद्देश्य- कार्यक्रम के उद्देश्य निम्नवत हैं-

पूर्व प्राथमिक शिक्षा के सुदृढ़ीकरण हेतु आदर्श केन्द्र की स्थापना करना।

बुनियादी अवस्था हेतु साहित्य एवं संदर्भ सामग्री का विकास करना।

3- कार्यक्रम की आख्या- छात्रों के स्कूली प्रक्रिया में सक्रियता के साथ साथ उत्साहपूर्वक प्रदर्शन करने व उनमें उनकी स्वाभविक प्रतिभा के अनुरूप निखरने के लिए स्कूल पूर्व शिक्षा महत्वपूर्ण स्थान रखती है। स्कूल पूर्व गतिविधियों के सुदृढ़ीकरण] इनके क्रियान्वयन व प्रसार हेतु सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स के रूप में डायट देहरादून केन्द्र बिन्दु के रूप में स्थापित किया गया है। बुनियादी अवस्था हेतु सामग्री का निर्माण एवं कार्यशालाओं का आयोजन डायट देहरादून एवं रूम टू रीड़] इण्डिया ट्रस्ट द्वारा संयुक्त रूप से किया गया है। जनपद देहरादून के प्रारम्भिक विद्यालयों के शिक्षक] आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों] सुपरवाइजर्स] माध्यमिक विद्यालयों के कला शिक्षकों एवं डायट के प्रवक्ताओं तथा रूम टू रीड़] इण्डिया ट्रस्ट के विशेषज्ञों के सहयोग द्वारा बुनियादी अवस्था हेतु सामग्री विकास किया गया। इसके अन्तर्गत कहानी पुस्तिका] कविता काड्र्स] बातचीत चार्ट] आरोही माड्यूल पर गतिविधि पुस्तिका] अधिगम शिक्षण सामग्री का निर्माण कार्य अद्यतन गतिमान है।

4- कार्यक्रम के प्रतिफल- इसके अन्तर्गत कहानी पुस्तिका] कविता काड्र्स] बातचीत चार्ट] आरोही माड्यूल पर गतिविधि पुस्तिका] अधिगम शिक्षण सामग्री का निर्माण कार्य अद्यतन गतिमान है।

USAID